भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. †2335
सोमवार, 18 दिसम्बर, 2023/27 अग्रहायण, 1945 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

प्रसाद योजना के अंतर्गत धार्मिक स्थल

†2335. श्री देवजी पटेल:
श्री उन्मेश भैय्यासाहेब पाटिल:
डॉ. हिना विजयकुमार गावीत:
डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे:
प्रो. रीता बहुगुणा जोशी:
डॉ. सुजय विखे पाटील:
श्री कृष्णपालसिंह यादव:
श्री नारणभाई काछड़िया:
श्री बिद्युत बरन महतो:
श्री रणजित सिंह नाईक निम्बालकर:
श्री सुधाकर तुकाराम श्रंगारे:
श्री दिलीप शइकीया:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए धार्मिक स्थलों के पुनरुद्धार हेतु कोई कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक संवर्धन अभियान (प्रसाद) योजना में प्रगति की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) प्रसाद योजना की स्थापना से लेकर अब तक इसके अंतर्गत आने वाले स्थलों की राज्य-वार सूची क्या है;

(घ) पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विगत पांच वर्षों के दौरान पर्यटन मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित की गई पहलों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) इन पहलों के परिणामस्वरूप पर्यटन क्षेत्र को कितना लाभ मिला है और क्या उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय 'तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान' (प्रशाद) और 'स्वदेश दर्शन' योजनाओं के अंतर्गत देशभर के तीर्थस्थलों सहित पर्यटक गंतव्यों में अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों तथा संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है । मंत्रालय

ने प्रशाद योजना के तहत कुल 46 परियोजनाओं और स्वदेश दर्शन योजना के तहत 76 परियोजनाओं को स्वीकृति दी है । प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का राज्य-वार विवरण अनुबंध में दिया गया है ।

(घ) और (ड.): पर्यटन मंत्रालय द्वारा पर्यटन संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए विगत पांच वर्षों में कार्यान्वित पहलों का विवरण निम्नानुसार है ।

i. पर्यटन संबंधी अवसंरचना का विकास 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) संबंधी राष्ट्रीय मिशन' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास हेतु केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' योजनाओं के अंतर्गत किया जा रहा है।

ii. पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटक एवं गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी और जिम्मेदार गंतव्यों के विकास के उद्देश्य से अपनी स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) का नया रूप दिया है।

iii. आतिथ्य सहित घरेलू सवंर्धन एवं प्रचार (डीपीपीएच) योजना के अंतर्गत मेलों/महोत्सवों तथा पर्यटन संबंधी समारोहों के आयोजन के लिए भी राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता दी गई है।

iv. नागरिकों को अपने देश की यात्रा हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से देखो अपना देश पहल की शुरूआत की गई।

v. अन्य निश उत्पादों में निरोगता पर्यटन, कलीनरी पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन, ईको पर्यटन आदि जैसे थीमेटिक पर्यटन का व्यापक रूप से संवर्धन किया जाता है ताकि अन्य क्षेत्रों में भी पर्यटन के दायरे का विस्तार किया जा सके।

vi. भारत सरकार की लाईफ पहल के लिए समग्र मिशन के तहत ट्रेवल फॉर लाइफ (टीएफएल) कार्यक्रम की शुरूआत की।

vii. ई-वीजा की 7 उप-श्रेणियों यथा ई-पर्यटक वीजा, ई-बिजनेस वीजा, ई-मेडिकल वीजा, ई-मेडिकल अटेंडेंट वीजा, ई-कॉन्फ्रेंस वीजा, ई-आयुष वीजा और ई-आयुष अटेंडेंट वीजा, ई-पर्यटक वीजा सुविधा 167 देशों के नागरिकों के लिए मुहैया कराना।

viii. पर्यटक गंतव्य के रूप में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि करने के लिए 1,001 रु. से 7,500 रु. प्रति रात्रि के टैरिफ वाले होटल के कमरों पर जीएसटी को घटाकर 12% और 7,501 रु. से अधिक के टैरिफ वाले होटल के कमरों पर जीएसटी को 18% कर दिया गया है।

ix. पर्यटन मंत्रालय ने नागर विमानन मंत्रालय की आरसीएस-उड़ान योजना के तहत सहयोग किया है। देश के पर्यटन स्थलों के लिए हवाई संपर्क में सुधार लाने के लिए विभिन्न पर्यटन मार्गों का प्रचालन शुरू किया गया है।

x. पर्यटन मंत्रालय अखिल भारतीय अतुल्य भारत पर्यटक सुविधाप्रदाता (आईआईटीएफ) प्रमाणन कार्यक्रम नामक एक डिजिटल पहल चला रहा है जिसका लक्ष्य देश भर में सुप्रशिक्षित एवं पेशेवर व्यावसायिक पर्यटक सुविधाप्रदाताओं/गाइडों का एक समूह तैयार करने और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों का सृजन करने के उद्देश्य से एक ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफॉर्म बनाना है।

xi. बेहतर मानक सेवा मुहैया कराने के लिए श्रम-शक्ति के प्रशिक्षण और उन्नयन हेतु 'सेवा प्रदाताओं हेतु क्षमता निर्माण (सीबीएसपी) योजना के तहत कार्यक्रमों का आयोजन।

xii. आतिथ्य उद्योग का राष्ट्रीय एकीकृत डेटाबेस (निधि) एक प्रौद्योगिकी संचालित प्रणाली है, जो डिजिटलीकरण की सुविधा और आतिथ्य एवं पर्यटन क्षेत्र हेतु व्यापार में सुगमता प्रदान करने के लिए है। इस पहल को न केवल आवास इकाइयों, बल्कि ट्रैवल एजेंटों, टूर ऑपरेटरों, पर्यटक परिवहन ऑपरेटरों, खाद्य और पेय इकाइयों, ऑनलाइन ट्रैवल एग्रीगेटर्स, कन्वेंशन सेंटर और पर्यटक सुविधाप्रदाताओं की अधिक समावेशिता के लिए निधि + के रूप में भी अपग्रेड किया गया है।

इन पहलों से देशभर में यात्रियों की संख्या में वृद्धि हुई है । पिछले पांच वर्षों में घरेलू पर्यटक यात्राओं (डीटीवी) और विदेशी पर्यटक यात्राओं (एफटीवी) का विवरण नीचे दिया गया है ।

(आंकड़े लाख में)

वर्ष	डीटीवी	एफटीवी	विकास दर%	
			डीटीवी	एफटीवी
2018	**18537.8**	**288.5**	**11.84**	**7.31**
2019	**23219.8**	**314.1**	**25.26**	**8.86**
2020	**6102.2**	**71.7**	**-73.72**	**-77.17**
2021	**6776.3**	**10.5**	**11.05**	**-85.29**
2022	**17310.1**	**85.9**	**155.45**	**714.26**

स्रोतः राज्य/संघ राज्यक्षेत्र पर्यटन विभाग

*****

अनुबंध

श्री देवजी पटेल, श्री उन्मेश भैय्यासाहेब पाटिल, डॉ. हिना विजयकुमार गावीत, डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे, प्रो. रीता बहुगुणा जोशी, डॉ. सुजय विखे पाटील, श्री कृष्णपालसिंह यादव, श्री नारणभाई काछड़िया, श्री बिद्युत बरन महतो, श्री रणजित सिंह नाईक निम्बालकर, श्री सुधाकर तुकाराम श्रंगारे और श्री दिलीप शइकीया द्वारा प्रसाद योजना के अंतर्गत धार्मिक स्थल के संबंध में दिनांक 18.12.2023 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. †2335 के भाग (क) और (ग) के उत्तर में विवरण

प्रशाद योजना के तहत अनुमोदित परियोजनाओं की सूची

(करोड़ रु. में)

राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	क्र. सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	अनुमोदित लागत	भौतिक प्रगति%
आंध्र प्रदेश	**1**	अमरावती शहर, गुंटूर जिले का एक पर्यटन स्थल के रूप में विकास	**2015-16**	**27.77**	पूर्ण
	2	श्रीसैलम मंदिर का विकास	**2017-18**	**43.08**	पूर्ण
	3	विशाखापट्टनम मंदिर में सिंहाचलम में श्री वराह लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी वारी देवस्थानम	**2022-23**	**54.04**	**0%**
अरुणाचल प्रदेश	**4**	परशुराम कुंड, लोहित जिले का विकास।	**2020-21**	**37.88**	**37%**
असम	**5**	गुवाहाटी और उसके आसपास कामाख्या मंदिर और तीर्थ स्थल का विकास।	**2015-16**	**29.80**	पूर्ण
बिहार	**6**	पटना साहिब में विकास	**2015-16**	**41.54**	पूर्ण
	7	विष्णुपद मंदिर, गया, बिहार में मूलभूत सुविधाओं का विकास	**2014-15**	**4.27**	पूर्ण
छत्तीसगढ़	**8**	माँ बम्लेश्वरी देवी मंदिर, डोंगरगढ़, राजनंदगांव जिला, छत्तीसगढ़ का विकास	**2020-21**	**43.33**	**55%**
गुजरात	**9**	द्वारका का विकास	**2016-17**	**13.08**	पूर्ण
	10	सोमनाथ में तीर्थ सुविधाओं का विकास	**2016-17**	**45.36**	पूर्ण
	11	सोमनाथ में प्रॉमेनेड का विकास	**2018-19**	**47.12**	पूर्ण
	12	सोमनाथ गुजरात में कतार प्रबंधन परिसर सहित तीर्थ यात्री प्लाजा का विकास	**2021-22**	**49.97**	**0%**
	13	अंबाजी मंदिर, बनासकांठा, गुजरात में तीर्थयात्रा सुविधाओं का विकास	**2022-23**	**50.00**	**5%**
हरियाणा	**14**	पंचकूला जिले में माता मनसा देवी मंदिर और नाडा साहेब गुरुद्वारे का विकास	**2019-20**	**48.53**	**72%**
जम्मू और कश्मीर	**15**	हजरतबल दरगाह, श्रीनगर में विकास	**2016-17**	**40.46**	**90%**

झारखण्ड	**16**	बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर का विकास	**2018-19**	**39.13**	पूर्ण
कर्नाटक	**17**	श्री चामुंडेश्वरी देवी मंदिर, मैसूरु में तीर्थ सुविधाओं का विकास	**2023-24**	**45.71**	**0%**
केरल	**18**	गुरुवायूर मंदिर में विकास	**2016-17**	**45.19**	पूर्ण
मध्य प्रदेश	**19**	अमरकंटक का विकास	**2020-21**	**49.99**	**31%**
	20	ओंकारेश्वर का विकास	**2017-18**	**43.93**	पूर्ण
महाराष्ट्र	**21**	त्र्यंबकेश्वर, नासिक का विकास	**2017-18**	**52.92**	**62%**
मेघालय	**22**	मेघालय में तीर्थयात्रा सुविधा का विकास	**2020-21**	**29.32**	**80%**
मिजोरम	**23**	मिजोरम राज्य में तीर्थयात्रा और विरासत पर्यटन के लिए अवसंरचना विकास	**2022-23**	**44.89**	**0%**
नागालैंड	**24**	नागालैंड में तीर्थयात्रा अवसंरचना का विकास	**2018-19**	**25.26**	**76%**
	25	जुन्हेबोटो में तीर्थयात्रा पर्यटन अवसंरचना का विकास	**2022-23**	**18.18**	**10%**
ओडिशा	**26**	मेगा परिपथ के तहत पुरी, श्री जगन्नाथधाम-रामचंडी-देउली में प्राची रिवर फ्रंट में अवसंरचना का विकास	**2014-15**	**50.00**	**27%**
पंजाब	**27**	अमृतसर में करुणा सागर वाल्मीकि स्थल का विकास	**2015-16**	**6.40**	पूर्ण
	28	रोपङ, पंजाब में चमकौर साहिब का विकास	**2021-22**	**31.57**	**26%**
राजस्थान	**29**	पुष्कर/अजमेर का एकीकृत विकास	**2015-16**	**32.64**	**92%**
सिक्किम	**30**	फोर पेट्रन सेंट्स, युकसोम में तीर्थयात्रा सुविधा का विकास	**2020-21**	**33.32**	**38%**
तमिलनाडु	**31**	कांचीपुरम का विकास	**2016-17**	**13.99**	पूर्ण
	32	वेलनकन्नी का विकास	**2016-17**	**4.86**	पूर्ण
तेलंगाना	**33**	जोगुलम्बा देवी मंदिर, आलमपुर का विकास	**2020-21**	**36.73**	**52%**
	34	रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर, मुलुगु में तीर्थयात्रा और विरासत पर्यटन अवसंरचना का विकास	**2022-23**	**62.00**	**0%**
	35	भद्राचलम, भद्राद्री कोठागुडम जिले में तीर्थयात्रा अवसंरचना का विकास	**2022-23**	**41.38**	**0%**
त्रिपुरा	**36**	त्रिपुरा सुंदरी मंदिर, उदयपुर का विकास	**2020-21**	**37.80**	**50%**
उत्तर प्रदेश	**37**	वाराणसी का विकास - चरण -I	**2015-16**	**18.72**	पूर्ण
	38	मथुरा-वृंदावन को मेगा टूरिस्ट परिपथ के रूप में विकास (चरण -II)	**2014-15**	**10.98**	पूर्ण
	39	गंगा, वाराणसी में रिवर क्रूज पर्यटन	**2017-18**	**9.02**	पूर्ण
	40	वृंदावन में पर्यटक सुविधा केंद्र का निर्माण	**2014-15**	**9.36**	पूर्ण
	41	वाराणसी का विकास चरण -II	**2017-18**	**44.60**	पूर्ण
	42	गोवर्धन में अवसंरचना सुविधाओं का विकास	**2018-19**	**39.74**	**94%**
उत्तराखण्ड	**43**	केदारनाथ का एकीकृत विकास	**2015-16**	**34.77**	पूर्ण

	44	बद्रीनाथ जी धाम में तीर्थयात्रा सुविधा के लिए अवसंरचना का विकास	**2018-19**	**56.15**	**62%**
	45	गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में तीर्थयात्रा अवसंरचना सुविधाओं का संवर्धन	**2021-22**	**54.36**	**20%**
पश्चिम बंगाल	**46**	बेलूर मठ का विकास	**2016-17**	**30.03**	**92%**

*****